

ওগো পিয়া তব অকরুণ ভালোবাসা।
অন্তরে দিল বিপুল বিরহ, কবিতায় দিল ভাষা ॥

মোর গানে দিল সুর
করুণ ব্যথা বিধুর,
বাণীতে দিল সুদূর স্বর্গের পিপাসা ॥

তুমি ভালো করিয়াছ ভালবাসো নাই মোরে,
রাখ নাই ধ'রে আমারে তোমার ক'রে।
মম বিরহের বেদনাতে
তাই ত্রিভুবন কাঁদে সাথে,
ভুলেছি সবারে চেয়ে তোমারে পাবার আশা ॥

এইচএমভি এন. ৭৪৩৩ • শিল্পী : গোপাল চন্দ্র সেন • আধুনিক • তাল : দাদৱা

[-রা রজ্জা]

○ ভালো

সা সন্ধা II { সা -রা জ্ঞা | -ঁ রসা সা I সরা রমা মপা | মধ্পা রা জ্ঞা I
ও গো পি o যা o ত০ ব অ০ ক০ রু০ ৩০০ ভা লো

I স্বাঁ - সা | (-ঁ সা সপ্তা) } I -ঁ -ঁ -ঁ | সা -পা পা I গা গা গা I
বা o সা o ও গোo o o o অ n ত রে দি ল

I সরা রমা মা | সা মা মা I সা গা গা | -ঁ গা গরা I
বি০ পু০ ল বি র হ ক বি তা যঁ দি লo

I রা -'মা -পধ্পা | ঝজ্ঞা -ঁ -রসা I সরা রমা পমা | মধ্পা -'র রজ্জা I
ভা o ০০০ ষা o ০০ অ০ ক০ রু০ ৩০০ o ভালো

I সা -ঁ সা | -ঁ সা সন্ধা I সা -জ্ঞা জ্ঞা | -ঁ -ঁ -ঁ I
বা o সা o ও গোo পি o যা o o o

I	-ା -ା -ସା	-ା ସା ନା	ସରଜ୍ଜା -ସରା ମପମା	ମଜ୍ଜା -ା -ା
	୦ ୦ ୦	୦ ଓ ଗୋ	ପି ୦୦ ୦୦ ୦୦	୦୦ ଯା ୦
I	-ା -ା -ସା	-ା ସା ସା	ସା ସମା ଜ୍ଜା	ରା ରା ଜ୍ଜା
	୦ ୦ ୦	୦ ତ ବ	ଅ କଠ ରୁ	ଣ ଭା ଲୋ
I	ସା -ା ସା	-ା -ା -ା	{ ସା -ା ଗା	ମା ପା ମା
	ବା ୦ ସା	୦ ୦ ୦	ମୋ ର୍ ଗା	ନେ ଦି ଲ
I	ଧପା -ା -ା	-ା -ା -ା	ପଧା ଗା ନା	ଧା ଧନା -ଶଙ୍ଖନା
	ସୁ ୦ ୦	୦ ୦ ର୍	କଠ ରୁ ଣ	ବ୍ୟ ଥାୟ ୦୦
[-ା -ା]				
I	ଧପା ପା -ା	-ମପାଃ ମଜ୍ଜାଃ -ରସା }	ନା ନା ନା	ନା ନା ପଧା
	ବି ୦ ଧୁ ୦	୦ ୦୦ ୦ର୍	ବା ଗୀ ତେ	ଦି ଲ ସୁ ୦
I	ଧା -ର୍ସା -ନର୍ସା	-ଗା -ା -ା	ଧା -ଗା ଧା	ପା -ଧା ପା
	ଦୂ ୦ ୦୦	୦ ୦ ର୍	ର୍ ର୍ ଗେ	ର ୦ ପି
I	ମଗା -ରଗା -ସା	-ା ପା ପସା	ସା ସପା ପମା	ମପା -ପରା ରଜ୍ଜା
	ପାୟ ୦୦ ସା	୦ ତ ବୟ	ଅ କଠ ରୁୟ	ନ୍ୟ ୦୦ ଭାଲୋ
I	ସା -ା ସା	-ା ସା ସନ୍ତା	ସା -ଜ୍ଜା ଜ୍ଜା	-ା ରସା ସା
	ବା ୦ ସା	୦ ଓ ଗୋୟ	ପି ୦ ଯା	୦ ତୟ ବ
I	ସରା ରପା ପମା	ମପା ରା ଜ୍ଜା	ସା -ା ସା	-ା ପା ପା
	ଅୟ ୦ କଠ ରୁୟ	ନ୍ୟ ୦ ଭା ଲୋ	ବା ୦ ସା	୦ ଓ ଗୋ
I	ପା -ା -ା	-କ୍ଷା -ପଦପା -ା	ମଜ୍ଜା -ା -ରସା	-ା ସା ସା
	ପି ୦ ୦	୦ ୦୦୦ ୦	ଯାୟ ୦ ୦ ୦୦	୦ ତ ବ

I	সা রজ্জা জ্ঞা	জ্ঞা রা জ্ঞা I	সা -া সা	-া -া -া II
	অ ক০ রু	ণ ভা লো	বা ০ সা	০ ০ ০
গা মা II	পা পধা -ণা	ধা গা ধপা I	পা -া -া	-া -া -া I
তু মি	ভা লো ০	ক রি যা ০	ছ ০ ০	০ ০ ০
I	পধা গা গা	গা ধণা -ধণা I	-সংগা শণা ধণা	-া ধপা পা I
	ভ০ লো বা	সো নাং ০০	০০ ০ ০ই	০ মো ০ রে
I	-া -া -া	† -া -া I	পা পা পধা	-ণধপা মগা মা I
০ ০ ০	০ ০ ০	রা খ নাং	০০ই ধ'০	রে
I	পা পা ধা	না সা -র্সা I	ন্সা না -সা	-া -া -া I
আ মা রে	তো মা ০ৱ	ক'০ রে ০	০ ০ ০	
I.	-া -া -া	-া সা সনা I	সা সংজ্ঞা জ্ঞা	-া র্বা র্সা I
০ ০ ০	০ ম ম০	বি র০ হে	ৰ্ৰ বে দ০	
I	সা -র্সা সৰ্বা	-জ্ঞা -া -া I	-া -া -ৰ্বা	-সা -া -া I
না ০০ তে০	০ ০ ০	০ ০ ০	০ ০ ০	
I	-া -া -া	-া সা -া I	না সা না	দা পা দা I
০ ০ ০	০ তা ই	ত্ৰি ভু ব	ন কা দে	
I	দৰ্বা -ৰ্জৰ্বৰ্বা সা	-া সা সনা I	সা সৰ্মা জ্ঞা	-া জ্ঞা জ্ঞা I
সাং ০০০ থে	০ ম ম০	বি র০ হে	ৰ্ৰ বে দ	
I	জ্ঞা -ৰ্বা জ্ঞা	-স সা -া I	না সা না	দা পা দা I
না ০ তে	০ তা ই	ত্ৰি ভু ব	ন কা দে	

I দৰী -ৰ্সা সা | -ঁ -ঁ -ঁ I সা সেগা গা | গা গা ধপা I
 সাং ০০ থে ০ ০ ০ ভু লে০ ছি স বা রে০

I পধা -গা -ঁ | -ঁ -ধা -পা I পা পা ধপা | মা গা -সা I
 চে০ ০ ০ ০ যঁ' ০ তো মা রে০ পা বা ব্ৰ

I গা -মা গমা | -পা পা পসা I সা সপা পমা | মপা -পৱা রঞ্জা I
 আ ০ শাং ০ ত ব০ অ ক০ কু০ ণ০ ০০ ভালো

I সা -ঁ সা | -ঁ সা সন্া II II
 বা ০ সা ০ “ও গো”